वाक़्या नेक बीवी और बदचलन शौहर | By Waheed Nizami

तारिक़ ने लिखा सुनियेगा है सच्चा ये बयां
एक नेक बीवी बदचलन शौहर की दास्ताँ

इस दौर के समाज का दिखलाऊँ आइना
देखो है समाचार में ये सच्चा वाक़्या
बेटी यहाँ दुल्हन बनी और शादी हो गई
यहाँ ना आबादी नहीं बर्बादी हो गई
शौहर शराब पी कर रहा मस्त रात में
दुल्हन तो अकेली रही सुहागरात में
जब हो गया सवेरा बहुत दिन निकल गया
दुल्हन के लिए दिल पे तो खंजर सा चल गया
दूल्हा जो आया मिलने नशे में वो चूर था
बोतल थी उसके हाथ में छाया सुरूर था

दुल्हन ने पूछा हाल तो उसको झटक दिया
मगरूर था दुल्हन को उठा कर पटक दिया
बीवी बड़ी मजबूर थी कुछ कह नहीं सकती
उसका तो बुरा हाल था बस रोती ही रहती
कैसी वो बदनसीब की थी मारी वो दुल्हन
दुल्हन का वो लिबास था या पहना था कफ़न
उसको तो अपनी चोट का कुछ न मलाल था
उसका पति हो जाये उसे ये ख़याल था
एक वैश्या से उसका था सम्बन्ध बना हुआ
उसके लिए बीवी को बहुत मारता रहा

वो वैश्या थी सिर्फ तो दौलत की पुजारी
दौलत उसी पे घर की लुटाता रहा सारी
दौलत जो ख़त्म हो गई बीवी से ये कहा
तू कुछ भी करके मायके से पैसे तू लेके आ
वो तो गरीब घर की थी वो लाती कहाँ से
आई थी दुल्हन बन के वो क्या कहती जहाँ से
दुनिया जहाँ फानी से वो अब तो गुज़र गए
सुनकर के खबर दु:ख भरी माँ बाप मर गए
शौहर था की दौलत की रट छोड़ता ना था
उस वैश्या के प्यार में कुछ होश ना रहा

एक दिन शराब पी के जो आया वो अपने घर
बीवी को मारा जान से पेट्रोल छिड़क कर
बस्ती में शोर मच गया कोहराम मच गया
शौहर ने अपनी बीवी को ज़िंदा जला दिया
आई पुलिस तो उसको पकड़ कर के ले गई
घर हो गया नीलाम ज़मानत ना मिल सकी
वो वैश्या थी भाग गई शहर छोड़ कर
उसको मिला सुकून ना फिरती शहर शहर
आखिर उसे भी अपने किये की सजा मिली
पुलिस पकड़ के उसको भी तो जेल ले गई

शौहर को अदालत ने दी फिर फांसी की सजा
उसके ये बुरे काम का अंजाम ये हुआ
कोई दहेज़ के वास्ते दुल्हन को जला दे
बेटी किसी गरीब की बे मौत मार दे
दौलत के लिए कोई तो बीवी को मार दे
कोई बहन की बेटी की इज़्ज़त उतार दे
ऐसे समाज को है बदलने की ज़रूरत
ये आज के सुलगते सवालों की हकीकत
बेटी बहन है बीवी है और माँ है मान लो
दौलत के लिए तुम ना किसी की भी जान लो

हो बाप तो बेटी को भी संस्कार अच्छे दो
तालीम अच्छी दो इन्हे किरदार अच्छा दो
जैसा करोगे वैसा तुम्हे भरना पड़ेगा
जब वक़्त निकल जायेगा कुछ कर ना सकोगे
मौका है अभी हाथ से जाने ना दो इसी
चेहरा समाज को भला दिखलाओगे कैसे
अपने किये की आप सजा पाओगे सभी
हिन्दू हो मुसलमान हो या सिक्ख हो ईसाई
तारिक़ ये वरना हादसे अब होते रहेंगे
चुपचाप आँखें बंद किये सोते रहोगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%bc%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a5%80-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%ac%e0%a4%a6%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%a8/